Dainik Bhaskar (Indore), 01st December 2025, Page - 03

आईआईटी इंदौर में दिसंबर में होंगी 5 कॉन्फ्रेंस

क्लाइमेट चेंज व अर्थशास्त्र से जुड़े विषयों पर होगी चर्चा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में दिसंबर में पांच अलग-अलग कॉन्फ्रेंस, ट्रेनिंग और कोर्सेज का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश के छात्रों और शोधकर्ताओं के साथ उद्योगों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। विभिन्न वर्कशॉप और ट्रेनिंग के जरिए जलवायु परिवर्तन से लेकर सिविल इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र, डाटा प्रोसेसिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे विषयों पर मंथन होगा। पहली कॉन्फ्रेंस 1 एक से 5 दिसंबर के बीच होगी, जिसमें क्लाइमेट चेंज को लेकर बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर निर्मित करने और सस्टेनेबिलिटी को लेकर सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 6 अलग-अलग मॉड्यूल के तहत ट्रेनिंग दी जाएगी।

3 दिसंबर को सिविल इंजीनियरिंग में स्टैंडर्डाइजेशन को लेकर ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड के स्टूडेंट चैप्टर द्वारा एक दिनी कार्यक्रम होगा। तीसरा आयोजन 5 और 6 दिसंबर को होगा, जिसमें अर्थशास्त्र और नवाचार को लेकर बात की जाएगी। मुख्य रूप से गिग इकोनॉमी, एनर्जी ट्रांसलेशन, इंडस्ट्री 5.0, स्पेस इकोनॉमी, सोशल इकोनॉमी जैसे विषयों पर बात होगी। इसका आयोजन आईआईटी इंदौर के स्कूल आफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज द्वारा किया जा रहा है। महीने की आखिरी कॉन्फ्रेंस साइबर सिक्योरिटी के विषय पर होगी।

फिनलैंड, यूके के भी प्रोफेसर्स ट्रेनिंग देंगे

8 से 12 दिसंबर के बीच में इन्फॉर्मेशन कम्युनिकेशंस और डाटा प्रोसेसिंग को लेकर पांच दिनी कार्यशाला होगी। इसमें आईआईटी इंदौर के साथ ही फिनलैंड, यूके, आईआईटी गुवाहाटी और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के भी प्रोफेसर्स ट्रेनिंग देंगे। इसके अलावा 11 से 13 दिसंबर तक ऑल इंडिया मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड रिसर्च की कॉन्फ्रेंस होगी। इसमें क्लाइमेट चेंज का असर मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी पर किस तरह पड़ रहा है, इस पर चर्चा होगी।